



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2551]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 28, 2012/पौष 7, 1934

No. 2551]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 28, 2012/PAUSA 7, 1934

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर, 2012

सं. 27 (आर ई-2012)/2009-2014

का.आ. 3068(अ).—विदेश व्यापार नीति, 2009-2014 के पैरा 2.1 के साथ पठित विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 की धारा 5 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा, विदेश व्यापार नीति 2009-2014 में तत्काल प्रभाव से निम्नलिखित संशोधन करती है :—

1. "समुद्री उत्पाद" वाक्यांश को विदेश व्यापार नीति 2009-2014 के पैरा 1ख.1(iii) से हटाया जाता है।
2. विदेश व्यापार नीति के पैराग्राफ 3.14.3 के अंत में शीर्ष "अपात्र निर्यात श्रेणियाँ/एफएमएस के लिए क्षेत्र" के अन्तर्गत निम्नलिखित उप-पैरा को जोड़ा जाता है।

(x) मांस और मांस उत्पादों का निर्यात

3. विदेश व्यापार नीति 2009-14 के पैरा 3.14.3 के अंत में एक नए पैराग्राफ को 3.14.4 के रूप में जोड़ा जाता है:-

"3.14.4 उत्तरोत्तर निर्यात प्रोत्साहन योजना

उद्देश्य:- (क) स्कीम का उद्देश्य उत्तरोत्तर निर्यातों को प्रोत्साहन देना है।

हकदारी:- (ख) आईईसी धारक 1.1.2012 से 31.3.2012 की अवधि की तुलना में 1.1.2013 से 31.3.2013 की अवधि में किए गए निर्यातों के एफओबी मूल्य में उत्तरोत्तर वृद्धि (आई ई सी धारक द्वारा प्राप्त) पर 2% की ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप के हकदार होंगे। उत्तरोत्तर वृद्धि का

आकलन प्रत्येक निर्यातक (आईईसी धारक) के संबंध में समूह कंपनी के निर्यातों को जोड़े बिना किया जाएगा।

(ग) प्रोत्साहन तभी अनुमत होंगे जब आई ई सी धारक ने 2011-2012 की तुलना में वर्ष 2012-2013 में वृद्धि प्राप्त की है। लाभ की मात्रा की गणना विदेश व्यापार नीति 2009-14 के पैरा 3.14.4(घ) में उल्लिखित पात्रता मानदण्ड के अधीन प्राप्त की गई उत्तरोत्तर वृद्धि पर की जाएगी।

**पात्रता मानदंड:-** (घ) इस स्कीम के लिए, निर्यात निष्पादन किसी अन्य आईईसी धारक से स्थानांतरित किया जाना अनुमत नहीं होगा। इस स्कीम के तहत लाभ वैसे निर्यातकों को अनुमत नहीं होंगे जिन्होंने 1.1.2012 से 31.3.2012 के बीच कोई निर्यात नहीं किया है। निम्नलिखित निर्यातों पर निर्यात निष्पादन की गणना अथवा स्कीम के तहत हकदारी की गणना के लिए विचार नहीं किया जाएगा :

- i) आयातित वस्तुओं का निर्यात अथवा अन्तर पोतलदान के माध्यम से किया गया निर्यात।
- ii) एस.ई.जैड/ई.ओ.यू./ई.एच.टी.पी./एस.टी.पी.आई./बी.टी.पी./एफटीडब्ल्यूजैड द्वारा निर्यात।
- iii) मान्य निर्यात
- iv) सेवा निर्यात
- v) तृतीय पार्टी निर्यात
- vi) डायमण्ड, गोल्ड, सिल्वर, प्लेटिनम तथा किसी भी अन्य रूप में बहुमूल्य धातु जिनमें सादा और जडाऊ गहने तथा बहुमूल्य और अर्द्धबहुमूल्य रत्न शामिल हैं।
- vii) सभी बनावट में सभी प्रकार के अयस्क और सान्द्रण।
- viii) सभी प्रकार के अनाज
- ix) सभी प्रकार और सभी रूपों में चीनी
- x) अपरिष्कृत/पेट्रोलियम आयल और अपरिष्कृत/सभी प्रकार और सभी प्रतिपादनों के प्राथमिक तथा मूल उत्पाद
- xi) दुग्ध और दुग्ध उत्पादों का निर्यात
- xii) किसी निर्यातक द्वारा किसी अन्य निर्यातक के लिए किया गया निर्यात निष्पादन
- xiii) एस.ई. जैड यूनिटों को की गई आपूर्ति
- xiv) उन मदों पर विचार नहीं किया जाएगा जिनके निर्यात के लिए निर्यात प्राधिकार (स्कोमेट के सिवाय) अपेक्षित हैं।
- xv) मांस और मांस उत्पादों का निर्यात
- xvi) सिंगापुर, यू.ए.ई. और हाँगकाँग को किया गया निर्यात।

**विशेष उपबन्ध:** (ड.) यह स्कीम विशिष्ट क्षेत्रों के लिए है और जिसमें केवल यूएसए, यूरोप और एशियाई देशों के लिए निर्यात शामिल है। विदेश व्यापार नीति के पैरा 3.17.10(ख) के तहत दावा परित्याग के प्रावधान अनुमत नहीं होंगे। यह लाभ अध्याय 3 की किसी भी स्कीम के तहत किए गए लाभ के दावों के अतिरिक्त होगी इसलिए विदेश व्यापार नीति 2009-2014 के पैरा 3.17.8 के प्रावधान लागू नहीं किए जाएंगे।

**स्क्रिप की उपयोगिता:** (च) ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप मुक्त रूप से हस्तान्तरणीय होगी। ऐसी स्क्रिप विदेश व्यापार नीति 2009-14 के पैरा 3.17.5 के अनुसार घरेलू प्राप्ति के लिए भी पात्र होगी।

4. विदेश व्यापार नीति 2009-2014 के पैरा 3.17.8 के अन्त में निम्नलिखित जोड़ा जाता है:  
“ विदेश व्यापार नीति के पैरा 3.14.4 के अंतर्गत लाभ इस पैरा में शामिल नहीं किए जाएंगे” ।

इस अधिसूचना का प्रभाव:

उत्तरोत्तर निर्यात प्रोत्साहन योजना को अधिसूचित किया जाता है।

[फा. सं. 01/61/180/188/एम 13/पीसी-3]

अनुप के. पूजारी, महानिदेशक, विदेश व्यापार

## MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 28th December, 2012

No. 27 (RE-2012)/2009-2014

**S.O. 3068(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992, read with para 2.1 of the Foreign Trade Policy, 2009-2014, the Central Government hereby makes the following amendments in the Foreign Trade Policy (FTP) 2009-2014 with immediate effect:—

1. The word “marine products” is deleted from para 1 B.1(iii) of FTP 2009-14.
2. The following sub para is added at the end of paragraph 3.14.3 of Foreign Trade Policy under the Heading “Ineligible Exports Categories / Sectors for FMS”:

(x) Export of Meat and Meat Products.

3. A new paragraph is added at the end of Para 3.14.3 of FTP 2009-14 as 3.14.4:

“3.14.4

#### **Incremental Exports Incentivisation Scheme**

#### **Objective**

(a) The objective of the Scheme is to incentivize incremental exports.

#### **Entitlement**

(b) An IEC holder would be entitled for a duty credit scrip @ 2% on the incremental growth (achieved by the IEC holder) during the period 01.01.2013 to 31.3.2013 compared to the period from 01.01.2012 to 31.3.2012 on the FOB value of exports. Incremental growth shall be in respect of each exporter (IEC holder) without any scope for combining the exports for Group Company.

(c) Incentive will be admissible only if the IEC holder has achieved growth in the financial year 2012-2013 vis a vis financial year 2011-2012. Quantum of benefit will be calculated on the incremental growth achieved subject to eligibility criteria given in para 3.14.4(d) of FTP 2009-14 .

**Eligibility Criteria** (d) For the purpose of the scheme, export performance shall not be allowed to be transferred from any other IEC holder. Benefit under this scheme will not be allowed to an exporter who had made no export between 01/01/12 to 31/03/12 .The following exports shall not be taken into account for calculation of export performance or for computation of entitlement under the Scheme:

- (i) Export of imported goods or exports made through trans-shipment.
- (ii) Export from SEZ/ EOU /EHTP /STPI /BTP/FTWZ
- (iii) Deemed Exports
- (iv) Service Exports
- (v) Third Party exports
- (vi) Diamond, Gold, Silver, Platinum, other precious metal in any form including plain and studded jewellery and other precious and semi-precious stones.
- (vii) Ores and concentrates of all types and in all formations.
- (viii) Cereals of all types.
- (ix) Sugar of all types and all forms.
- (x) Crude / petroleum oil and crude / primary and base products of all types and all formulations.
- (xi) Export of milk and milk products.
- (xii) Export performance made by one exporter on behalf of other exporter.
- (xiii) Supplies made to SEZ units.
- (xiv) Items, export of which requires an export authorisation (except SCOMET), will not be considered.

(xv) Export of Meat and Meat Products.

(xvi) Exports to Singapore, UAE and Hong Kong.

**Special Provision** (e) The scheme is region specific and will cover exports to USA, Europe and Asian countries only. Disclaimer provisions of para 3.17.10 (b) of FTP shall not be admissible. This benefit will be over and above any benefit being claimed by the exporter under any of the Chapter 3 Schemes, therefore, provisions of para 3.17.8 of FTP 2009-14 will not be invoked for such benefit.

**Utilisation of Scrip** (f) The duty credit scrip will be freely transferable. Such scrips shall also be eligible for domestic sourcing as per para 3.17.5 of FTP 2009-14.

4. The following is added at the end of para 3.17.8 of FTP 2009-14:

“ Benefit under para 3.14.4 of FTP will not be covered under this para.”

Effect of this Notification: The Scheme to incentivize incremental exports is being notified.

[ F.No. 01/61/180/188/AM 13/PC-3]

ANUP K. PUJARI, Director General of Foreign Trade

4856 40/12-2